PAPER-III
EDUCATION

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ___________________________
   (Name) ______________________________
2. (Signature) ___________________________
   (Name) ______________________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.___________________________________

(In words)

D	0	9	1	0

Time : 2 $^1/_2$ hours] [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **19**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

EDUCATION

शिक्षाशास्त्र

PAPER – III

प्रश्नपत्र – **III**

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग से दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I

खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words on any of the topics indicated.

(2 × 20 = 40 marks)

नोट : इस खंड में **बीस–बीस** (20) अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है ।

(2 × 20 = 40 अंक)

1. The Government of India has recently proposed to make Class X examination optional and to introduce grading system for reporting student performance. In your opinion, what are the advantages and limitations of these reforms ?

   अभी हाल में भारत सरकार ने दसवीं कक्षा की परीक्षा को वैकल्पिक करने एवं विद्यार्थियों की उपलब्धि को प्रतिवेदित करने के लिए ग्रेडिंग प्रणाली को प्रस्तावित किया है । आपके विचार से, इन सुधारों के क्या लाभ एवं सीमाएँ हैं ?

   OR / अथवा

   Discuss in detail the current status of technical education in India and suggest possibilities and measures for its development.

   भारत में तकनीकी शिक्षा की वर्तमान स्थिति की विस्तार से विवेचना कीजिए एवं इसके विकास की सम्भावनाओं एवं उपायों को सुझाइए ।

2. Explain the concept of Lifelong Education. Discuss in detail the provisions of Lifelong Education in India with special reference to distance and continuing education.

जीवन पर्यन्त शिक्षा के सम्प्रत्यय को समझाइए । भारत में, दूरस्थ एवं निरन्तर शिक्षा के विशेष संदर्भ में, जीवन पर्यन्त शिक्षा की व्यवस्था की विस्तार से विवेचना कीजिए ।

OR / अथवा

What are the most serious problems facing school education in India ? Describe their impact on the quality of teaching-learning process.

भारत में विद्यालयी शिक्षा किन गम्भीर समस्याओं से जूझ रही है ? शिक्षण अधिगम प्रक्रिया की गुणवत्ता पर पड़ने वाले इनके प्रभावों का वर्णन कीजिए ।

SECTION – II
खंड – II

Note : This section consists of **three (3)** questions from each of the electives/specializations. Choose only one elective/specialization and answer all the three questions from it. Each question carries **fifteen (15)** marks, and, is to be answered in about **three hundred (300)** words. (Question **3** to **5**)

(3 × 15 = 45 Marks)

नोट : इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **तीन** (3) प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल **एक** ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के **तीनों** प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह** (15) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ** (300) शब्दों में अपेक्षित है । (प्रश्न 3 से 5) **(3 × 15 = 45 अंक)**

Elective – I / ऐच्छिक – I
(Educational Administration and Management)
(शैक्षिक प्रशासन एवं प्रबन्ध)

3. Discuss the importance of Educational Supervision. How can supervision contribute to quality improvement ?
शैक्षिक पर्यवेक्षण के महत्त्व की विवेचना कीजिए । गुणवत्ता संवर्द्धन में पर्यवेक्षण किस प्रकार योगदान कर सकता है ?

4. "Educational Leaders – from Heads of Secondary Schools to Heads of Universities – are wanting in administrative skills." Comment.
माध्यमिक विद्यालयों के शीर्ष अधिकारियों से लेकर विश्वविद्यालयों के शीर्ष अधिकारियों तक सभी शैक्षिक नेतृत्वों में प्रबन्धकीय कौशलों की कमी है । टिप्पणी कीजिए ।

5. Describe any three theories of Leadership.
नेतृत्व के किन्हीं तीन सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए ।

OR / अथवा

Elective – II / ऐच्छिक – II
(Educational Measurement and Evaluation)
(शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन)

3. Explain the term "reliability". What are the different methods for establishing reliability of a test ? Describe the factors influencing reliability.
'विश्वसनीयता' शब्द की व्याख्या कीजिए । एक परीक्षण की विश्वसनीयता को स्थापित करने के लिए कौन सी विधियाँ हैं ? विश्वसनीयता को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन कीजिए ।

4. Explain internal assessment with reference to its need, advantages and limitations.
इसकी आवश्यकता, लाभ एवं सीमाओं के संदर्भ में आन्तरिक आकलन की व्याख्या कीजिए ।

5. Discuss the stages of test construction. Explain how would you follow this in standardizing an Achievement Test.
परीक्षण निर्माण की विभिन्न अवस्थाओं की विवेचना कीजिए । एक निष्पत्ति परीक्षण को मानकीकृत करने में आप इसका प्रयोग किस प्रकार करेंगे ? समझाइए ।

OR / अथवा

Elective – III / ऐच्छिक – III
(Educational Technology)
(शैक्षिक तकनीकी)

3. What should be an effective approach to collegiate teaching ? Differentiate Teaching from educating, instructing and training.
महाविद्यालयी शिक्षण के लिए प्रभावकारी उपागम क्या होना चाहिए ? शिक्षण को शिक्षा, निर्देशन एवं प्रशिक्षण से विभेदित कीजिए ।

4. Describe how electronic media can be used for making Distance Education more effective.
दूरस्थ शिक्षा को अधिक प्रभावकारी बनाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का प्रयोग किस प्रकार किया जा सकता है ? वर्णन कीजिए ।

5. "During the Teacher Preparation Phase, Microteaching, Link Practice and Teaching, should be kept at the minimum, moderate and maximum levels, respectively, for acquiring expertise in teaching." Comment.
"शिक्षण में विशेषज्ञता प्राप्त करने के लिए अध्यापक निर्माण की अवधि में सूक्ष्म शिक्षण, योजक अभ्यास एवं शिक्षण को क्रमश: निम्न, मध्यम एवं उच्च स्तरों का रखना चाहिए ।" टिप्पणी कीजिए ।

OR / अथवा
Elective – IV / ऐच्छिक – IV
(Special Education)
(विशिष्ट शिक्षा)

3. What is meant by giftedness ? How would you identify gifted children ? Discuss the educational programmes meant for gifted children.
प्रतिभाशालिता से क्या आशय है ? प्रतिभाशाली बालकों की पहचान आप कैसे करेंगे ? प्रतिभाशाली बालकों के लिए बनाए गये शैक्षिक कार्यक्रमों की विवेचना कीजिए ।

4. Enumerate the characteristics of learning disabled children. Suggest remedial measures for them.
अधिगम अक्षम बालकों की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । इनके लिए सुधारात्मक उपायों को सुझाइए ।

5. Define counselling. Discuss, in detail, any one type of counselling.
परामर्श को परिभाषित कीजिए । परामर्श के किसी एक प्रकार की विस्तार से विवेचना कीजिए ।

OR / अथवा
Elective – V / ऐच्छिक – V
(Teacher Education)
(शिक्षक शिक्षा)

3. "A pre-service programme of Teacher Education is a must for teachers of collegiate level." Justify.
"महाविद्यालयी स्तर के शिक्षकों के लिए शिक्षक शिक्षा का एक सेवापूर्व कार्यक्रम अपरिहार्य है ।" औचित्य स्थापित कीजिए ।

4. Enumerate the recommendations of the Kothari Commission on Teacher Education. Does the National Policy on Education corroborate them ?
कोठारी आयोग द्वारा शिक्षक शिक्षा पर दी गई संस्तुतियों का उल्लेख कीजिए । शिक्षा पर बनी राष्ट्रीय नीति क्या इन संस्तुतियों के अनुरूप है ?

5. Discuss a set of ideal "professional" criteria, inclusive of professional ethics, for College Teachers.
महाविद्यालयी शिक्षकों के लिए आदर्श व्यावसायिक कसौटी, जिसमें व्यावसायिक आचार सम्मिलित हों, के एक समुच्चय की विवेचना कीजिए ।

SECTION – III
खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions numbered **6** to **14,** each to be answered in about **fifty (50)** words. Each question carries **ten (10)** marks. **(9 × 10 = 90 Marks)**

नोट : इस खंड में 6 से 14 क्रमांक तक कुल **नौ** (9) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास** (50) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न के लिए **दस** (10) अंक निर्धारित हैं । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Discuss Buddhism as a school of philosophy towards developing the concepts of knowledge and values in Indian Educational System.
भारतीय शैक्षिक व्यवस्था में ज्ञान एवं मूल्य के सम्प्रत्ययों को विकसित करने की दृष्टि से दर्शन के एक सम्प्रदाय के रूप में बौद्धमत की विवेचना कीजिए ।

7. How can Education bring about social changes which are regarded as indicators of progress ?

शिक्षा किस प्रकार ऐसे सामाजिक परिवर्तन ला सकती है, जिन्हें उन्नति का संकेतक माना जा सके ।

8. What are the conditions essential for promoting learning by insight ?
अन्तर्दृष्टि द्वारा अधिगम को बढ़ावा देने के लिए कौन सी स्थितियाँ आवश्यक हैं ?

9. Briefly describe the steps involved in problem solving.
समस्या समाधान में प्रयुक्त होने वाले सोपानों का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।

10. What is the significance of psychological testing in guidance and counselling ?
निर्देशन एवं परामर्श में मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का क्या महत्त्व है ?

11. What are the characteristics of a good sample ? Write an account of one method of sampling frequently used in educational research.

एक अच्छे न्यादर्श की क्या विशेषताएँ हैं ? शैक्षिक शोध में बार-बार प्रयुक्त होने वाले न्यादर्श की किसी एक विधि का विवरण दीजिए ।

12. What is Ex-Post-Facto research ? Differentiate it from experimental research with the help of suitable example.

कार्योत्तर शोध क्या है ? उचित उदाहरणों की सहायता से इसे प्रायोगिक शोध से विभेदित कीजिए ।

13. "Educational administration in the UK is contributing to quality education." Comment.

"यू.के. में शैक्षिक प्रबंधन गुणवत्ता शिक्षा में योगदान कर रहा है ।" टिप्पणी कीजिए ।

14. "Formative as well as summative evaluation should be used for improving the curriculum." Substantiate.
"पाठ्यक्रम को सुधारने के लिए रचनात्मक तथा संकलनात्मक दोनों प्रकार के मूल्यांकनों का प्रयोग किया जाना चाहिए ।" पुष्टि कीजिए ।

SECTION – IV
खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about **thirty (30)** words and each carries **five (5)** marks. **(5 × 5 = 25 Marks)**

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच** (5) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस** (30) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच** (5) अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

One cannot over-emphasize the role of education in the progress of a nation like India. Education must evolve into a powerful tool in creating a climate conducive for the all round advancement of the nation by producing young men and women with disciplined minds and restrained manners. And, where can this happen except in Universities ? We all know that as centres of higher learning, research, and creation of knowledge, universities have a special role in creating an atmosphere of inclusiveness amongst the students who come from diverse backgrounds. The society will see intellectuals, political leaders, company executives, civil servants, social workers from amongst them in future. Therefore, we have to carry the spirit of inclusiveness in whatever walk of life we choose to follow. Our outlook must be broad; our perspective deep and our horizon wide. We should never allow the university, 'the temple of learning to become a narrow home of bigotry and petty objectives.'

Our society was afflicted with many ailments at the time of independence, ailments such as casteism, communalism, obscurantism, gender injustice and the like. These ailments led to disastrous consequences such as poverty, illiteracy, ignorance, superstitions, nepotism and corruption. Leaders of our freedom struggle wanted these evils to be addressed squarely in free India by various agencies, institutions, instruments and processes. In this context, Universities are viewed as important agencies of social and emotional change because young men of diverse backgrounds come here and work together. We have a long way to go in achieving gender equality. The irony is that social maladies like dowry, female foeticide and gender discrimination are alarmingly visible among the educated also. Time has come for a paradigm shift in methods of teaching from memory-based lecturing to thinking-oriented debates and discussions.

भारत जैसे देश की प्रगति में शिक्षा की भूमिका पर जितना अधिक बल दिया जाये, कम है । शिक्षा को एक ऐसे शक्तिशाली यन्त्र के रूप में उभरना चाहिये जो अनुशासित मस्तिष्क तथा नियन्त्रित आचरण वाले युवक तथा युवतियाँ पैदा करने में सक्षम हो । और यह सब विश्वविद्यालयों के अलावा और कहाँ सम्भव है ? हम सब यह जानते हैं कि, उच्च शिक्षा के केन्द्रों के रूप में, विश्वविद्यालयों की, विभिन्न पृष्ठभूमियों से आने वाले छात्रों में सबको सम्मिलित करने का वातावरण, में विशिष्ट भूमिका है । भविष्य में समाज इन्हीं छात्रों में से आने वाले बुद्धिमान, राजनेताओं, कम्पनी प्रबन्धकों, सरकारी अफसरों तथा समाज सेवकों को देखेगा । इसलिये हम जीवन का जो भी रास्ता चुनें, उसमें सबको साथ लेकर चलने की भावना को आगे ले जाना है । हमारी दृष्टि विस्तृत होनी चाहिए; हमारा परिप्रेक्ष्य गहरा होना चाहिए तथा हमारा धरातल व्यापक होना चाहिए । हमें, शिक्षा के मन्दिर स्वरूप, विश्वविद्यालयों को संकुचित धर्मान्धता तथा तुच्छ उद्देश्यों की पूर्ति करने का स्थान नहीं बनने देना है ।

स्वतन्त्रता के समय हमारे समाज में बहुत सी बुराइयाँ थीं; जैसे जातिवाद, सम्प्रदायवाद, अन्धविश्वास तथा लिंगभेद सम्बन्धित अन्याय । इन बीमारियों के भयंकर परिणाम निकले; जैसे गरीबी, निरक्षरता, अज्ञान,

अन्धविश्वास, भाई-भतीजावाद तथा भ्रष्टाचार । आज़ादी की लड़ाई के नेताओं ने चाहा कि स्वतन्त्र भारत में इन बुराइयों को उचित विधि द्वारा दूर किया जाये जैसे विभिन्न संस्थायें, यन्त्र तथा प्रक्रियायें । इस सन्दर्भ में विश्वविद्यालयों को सामाजिक तथा संवेदात्मक परिवर्तन के मुख्य स्रोत माना जाता है, क्योंकि यहाँ विभिन्न पृष्ठभूमियों के छात्र छात्रायें आते हैं और साथ-साथ काम करते हैं । हमें लिंग समानता की प्राप्ति के लिए लम्बा रास्ता तय करना है । दु:ख की बात है कि शिक्षित लोगों में भी दहेज प्रथा, मादा भ्रूणहत्या तथा लिंगभेद जैसी बुराइयाँ चुनौती देती हुई दिखाई देती हैं । अब समय आ गया है कि हमें शिक्षण विधियों में स्मरण-आधारित व्याख्यान विधि से बोध-आधारित वाद-विवाद तथा चर्चाओं की तरफ प्रतिमानात्मक बदलाव की ओर बढ़ना चाहिए ।

15. How does education help in promoting national and social development ?
शिक्षा राष्ट्रीय तथा सामाजिक परिवर्तन में किस प्रकार सहायक है ?

16. What is the role of universities in creating the atmosphere of inclusiveness in the society ?
समाज में सबको सम्मिलित करने की प्रक्रिया में विश्वविद्यालयों की क्या भूमिका है ?

17. What was the nature of our society at the time of independence ?
स्वतन्त्रता के समय हमारे समाज की क्या प्रकृति थी ?

18. How can Higher Education act as an agency of social change in contemporary India ?
आधुनिक भारत में उच्च शिक्षा किस प्रकार एक सामाजिक परिवर्तन के स्रोत की तरह कार्य कर सकती हैं ?

19. What kind of change is desirable in the method of teaching at University stage ?
विश्वविद्यालय स्तर पर शिक्षण विधियों में किस प्रकार का परिवर्तन वांछनीय है ?

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....